आयो आयो न आयो न मेरो श्याम

आयो आयो न आयो न मेरो श्याम कब से शाम हो गई
कही छलके न सबर का जाम कब से शाम हो गई
आयो आयो न आयो न मेरो श्याम कब से शाम हो गई

जोगन बन गई यादो में तेरी
जल जल हो गई राख की डेरी,
घन बनके भरसो घनश्याम कब से शाम हो गई
आयो आयो न आयो न मेरो श्याम कब से शाम हो गई

द्रोपदी ने जब तुम्हको पुकारा
तुमने दिया है बड के सहारा
हाथ मेरे भी बड के अब थाम कब से शाम हो गई
आयो आयो न आयो न मेरो श्याम कब से शाम हो गई

भरदो श्यामा आस का दामन चरणों में अपने धर दो श्यामा
तेरे चरणों में जीवन तमाम कब से शाम हो गई
आयो आयो न आयो न मेरो श्याम कब से शाम हो गई

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17192/title/aayo-aayo-na-aayo-na-mero-shyam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |